भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +3548

सोमवार, 15 जुलाई, 2019/**24** आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर पूर्व क्षत्रों में पर्यटन सर्किट

+**3548.** श्रीमती प्रतिमा भौमिकः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों जैसे कि अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मेघालय, असम, त्रिपुरा और मिजोरम में विगत पांच वर्षों के दौरान कोई पर्यटन सर्किट विकसित किया गया था ताकि इन राज्यों में पर्यटकों की आमद बढ़ाई जा सके और यदि हां, तो इन पर्यटन सर्किटों में आवंटित और उपयोग की गई निधि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इन सात राज्यों में पर्यटकों के मुक्त प्रवाह में कोई बाधा थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस मुद्दे को हल करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार के पास इन सात पूर्वोत्तर राज्यों में आने वाले पर्यटकों की संख्या के कारण अर्जित राजस्व के संबंध में कोई आंकड़े हैं और यदि हां, तो राज्य-वार ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार की पूर्वोत्तर राज्यों के स्थानीय टूर ऑपरेटर्स, टूर गाइड्स के लिए कोई विशिष्ट योजना है और इन सर्किटों से क्या लाभ होने की संभावना है**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क): पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन- थीम आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास के तहत देश के पूर्वोत्तर राज्यों में 16 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है जिनका विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(ख): गृह मंत्रालय (एमएचए) ने पाँच पूर्वोत्तर राज्यों यथा अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम (आंशिक रूप से संरक्षित क्षेत्र में और आंशिक रूप से प्रतिबंधित क्षेत्र में) को संरक्षित एवं प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है। तथापि, गृह मंत्रालय (विदेशी नागरिक प्रभाग) ने दिनांक 14.09.2019 के परिपत्र द्वारा मणिपुर, मिजोरम तथा नागालैंड हेतु 31.12.2022 तक प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (आरएपी) तथा संरक्षित क्षेत्र परमिट (पीएपी) में रियायत दी है।

(ग) : मंत्रालय द्वारा देश में पर्यटक आगमन से सृजित राजस्व सम्बन्धी आंकड़े संकलित नहीं किए जाते हैं। तथापि, मंत्रालय पर्यटन से प्राप्त विदेशी मुद्रा आय (एफईई) के आंकड़ों का संकलन करता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान इसका ब्यौरा निम्नलिखित है:-

(करोड़ रु.)

वर्ष	2016	2017	2018
विदेशी मुद्रा आय	154146	177874	194882**#**

अनंतिम

(घ): पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन संवर्धन के उद्देश्य से मंत्रालय ने स्थानीय यात्रा उद्योग की सहायता हेतु निम्नलिखित पहलें की हैं:-

- पूर्वोत्तर क्षेत्र के टूर ऑपरेटरों/यात्रा एजेंटों द्वारा एजेंसी को मान्यता प्रदान किए जाने/के नवीकरण हेतु आवेदन किए जाने पर मंत्रालय ने उन्हें प्रदत्त पूंजी, शैक्षणिक योग्यता, विदेशी मुद्रा आय में कारोबार के सम्बन्ध में रियायतें दी हैं।
- यह मंत्रालय विदेशी बाजारों में बिक्री-सह-अध्ययन दौरों, यात्रा मेलों/प्रदर्शनियों में सहभागिता तथा प्रचार सामग्री तैयार करने सहित पर्यटन संवर्धन कार्यकलाप करने के लिए अनुमोदित हितधारकों तथा राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के पर्यटन विभागों को मार्केटिंग विकास सहायता योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- सम्भावित अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू क्रेताओं को अपनी पर्यटन क्षमता दिखलाने तथा उनके साथ बातचीत करने का अवसर देने के उद्देश्य से मंत्रालय प्रतिवर्ष किसी एक पूर्वोत्तर राज्य में अंतर्राष्ट्रीय यात्रा मार्ट (आईटीएम) का आयोजन करता है। आईटीएम के अंतिम (सातवें) संस्करण का आयोजन अगरतला, त्रिपुरा में नवम्बर, 2018 में किया गया था।

****

अनुबंध

उत्तर पूर्व क्षत्रों में पर्यटन सर्किट के सम्बन्ध में दिनांक 15.07.2019 के लोक सभा लिखित प्रश्न संख्या +3548 के भाग (क) के उत्तर में विवरण

पूर्वोत्तर राज्यों में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा:-

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	परिपथ का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि
2014-15					
1.	अरूणाचल प्रदेश	पूर्वोत्तर	भालुकपोंग-बोमडिला और तवांग का विकास	**49.77**	**39.81**
2015-16					
2.	मणिपुर	पूर्वोत्तर	खोंजोम- इम्फाल का विकास	**72.23**	**61.32**
3.	सिक्किम	पूर्वोत्तर	सिक्किम में रांग्पों (प्रवेश)- रोराथांग-अरितर-फाडमचेन- नाथंग- शेराथांग-त्सोंग्मो–गंगटोक-फोडोंग- मंगन-लाचुंग- युमथांग-लाचेन-थांगू-गुरूदोंगमेर- मंगन- गंगटोक- तुमिन लिंगी-सिंगतम (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास।	**98.05**	**78.44**
4.	नागालैंड	जनजातीय	पेरेन-कोहिमा-वोखा का विकास	**97.36**	**77.89**
5.	मिजोरम	पूर्वोत्तर	थेंजावल एवं साउथ जोट, जिला सेरचिप और रेइक, मिजोरम का एकीकृत विकास	**94.91**	**75.92**
6.	असम	वन्य जीव	मानस- प्रोबितोरा- नामेरी- काजीरंगा-डिब्रू-सेखोवा का विकास	**95.67**	**76.54**
7.	अरूणाचल प्रदेश	पूर्वोत्तर	अरूणाचल प्रदेश में नए रोमांचकारी पर्यटन का एकीकृत विकास	**97.14**	**77.71**
8.	त्रिपुरा	पूर्वोत्तर	त्रिपुरा में: अगरतला- सिपाहिजला-मेलाघर-उदयपुर-अमरपुर- तीर्थमुख-मंदिरघाट- दुम्बूर-नरिकेलकुंज-गंडाचरा-अम्बासा पूर्वोत्तर परिपथ का विकास	**99.59**	**74.15**
2016-17					
9.	मेघालय	पूर्वोत्तर	उमियम (लेक-व्यू) यूलुम-सोहपेटबनेंग-मावडियांगडियांग - आर्किड लेक रिजार्ट	**99.13**	**73.69**

			का विकास		
10.	मणिपुर	आध्यात्मिक	श्रीगोविंदजी मंदिर- श्रीबिजय गोविंदजी मंदिर-श्रीगोपीनाथ मंदिर- श्रीबंगशीबोदन मंदिर- श्रीकैना मंदिर का विकास	**53.80**	**40.14**
11.	सिक्किम	पूर्वोत्तर	सिंगतम-माका-तेमी-बेरमोइक तोकल-फोंगिया- नामची- जोरथांग- ओकारे-सोमबारिया-दरमदीन-जोरेथांग- मेली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	**95.32**	**73.22**
12.	नागालैंड	जनजातीय	मोकोकचुंग-तुएनसांग-मोन का विकास	**99.67**	**78.09**
13.	मिजोरम	इको	स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ थीम के तहत "इको-रोमांचकारी परिपथ आइजवाल-रॉपुइछिप-खॉहफॉव-लेंगपुई-डर्टलॉग-चतलांग-सकव्रवमुईट्वेट-लॉग-मुथी-बेराटलॉग-तुइरियाल एयर फील्ड-मुईफॉग" का विकास	**99.07**	**49.53**
14.	असम	विरासत	तेजपुर-माजुली-सिबसागर का विकास	**98.35**	**19.67**
2018-19					
15.	त्रिपुरा	पूर्वोत्तर	सुरमा छेरा-ऊनाकोटी –जुम्पुई हिल्स-गुनाबाती-भुनानेश्वरी-माताबाड़ी-नीरमहल- बॉक्सानगर-छोटा खोला-पिलक- अवांगछारा का विकास	**65.00**	**0.00**
16.	मेघालय	पूर्वोत्तर	पश्चिमी खासी पहाड़ियों (नॉन्गिख्लॉव - क्रेम तिरॉट - खुरोई तथा कोहमांग जलप्रपात- शिरमांग- इयूक्सी), गारो पहाड़ियों (नेक्रिक रिजर्व, कट्टा बील, सीजु गुफाएं) का विकास	**84.97**	**0.00**
			कुल	**1400.03**	**896.12**

****